हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 282 : जौनपुर, शुक्रवार 14 जुलाई 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी 2 दिनी दौरे पर पेरिस पहुंचे, फ्रांसीसी समकक्ष ने किया स्वागत

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली। फ्रांस की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के लिए गुरुवार को पेरिस पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उनके फ्रांसीसी समकक्ष एलिजाबेथ बोर्न ने स्वागत किया। अपनी यात्रा के पहले दिन मोदी फ्रांस की सीनेट का दौरा करेंगे और वहां के राष्ट्रपति गेराड लार्चर से मुलाकात करेंगे। बाद में शाम को प्रधानमंत्री बोर्न के साथ बैठक करेंगे। वह रात करीब 11 बजे (आईएसटी) प्रतिष्ठित ला सीन म्यूजिकल में एक भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को भी संबोधित करेंगे। वह गुरुवार को एक निजी रात्रिभोज के साथ अपनी व्यस्तताओं का समापन करेंगे, जिसका आयोजन एलिसी पैलेस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन द्वारा उनके लिए किया जाएगा। शुक्रवार को वह बैस्टिल डे परेड में सम्मानित अतिथि होंगे, जहां भारतीय त्रि–सेवा दल भी भाग लेगा।

वैज्ञानिक अनुसंधान निधि में कटौती न करे सरकार : मल्लिकार्जुन

(एजेन्सी)

नयी दिल्ली।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने वैज्ञानिक अनुसंधान निधि में कटौती के सरकार के निर्णय को बेतुका बताते हुए कहा है कि यदि अनुसंधान नहीं होगा तो देश की प्रगति थम जाएगी इसलिए वैज्ञानिकों की अनुसंधान से जुड़ी निधि में कटौती नहीं की जानी चाहिए। मल्लिकार्जुन खडगे ने यहां जारी बयान में आज कहा कि मोदी सरकार देश में वैज्ञानिक अनुसंधान को खत्म करने पर तुली है और उसके इस कदम से राष्ट्र की प्रगति बाधित हो रही है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों को अभी तक चालू वित्त वर्ष के लिए धन नहीं मिला है और वे अनुसंधान जारी रखने के लिए अपनी मेहनत की कमाई का उपयोग करने को मजबूर हैं। ऐसे समय में जब सरकार ने नेशनल रिसर्च फाउंडेशन–एनआरएफ की स्थापना करके अधिक निधि का वादा किया है तो उनकी खरीदारी रुकी है और परियोजना में काम करने वाले कर्मचारियों को तीन महीने से भुगतान नहीं किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, "निजी फंडिंग का स्वागत है, लेकिन सरकारी फंडिंग बंद नहीं होनी चाहिए। बजट 2023 ने वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए धन में 6.87 प्रतिशत की कटौती की जबकि 2017 में मोदी सरकार के नकली विज्ञान प्रेम और वैज्ञानिक निधि में कटौती पर चिंता व्यक्त करते हुए वैज्ञानिकों को सरकार के रुख के विरुद्ध 27 शहरों में विरोध प्रदर्शन करने को मजबूर होना पड़ा था।

सभी पहलुओं पर सफल होना चाहिए चंद्रयान–3 मिशन

बेंगलुरु ।वरिष्ठ अंतरिक्ष वैज्ञानिक जी माधवन नायर ने बृहस्पतिवार को कहा कि चंद्रमा तक पहुंचने के चंद्रयान–3 मिशन को सभी पहलुओं पर सफल होना चाहिए ताकि भारत अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक अहम पड़ाव पार कर सके। उन्होंने चांद की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग को बेहद मुश्किल और जटिल करार दिया। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि यह अभियान इसरो के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी ने करीब चार साल पहले चंद्रयान–2 की 'सॉफ्ट लैंडिंगश के दौरान आई समस्या के समाधान के लिए कई उपाय किए थे और प्रणालियों को मजबूत किया था।

मुख्यमंत्री ने 510 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

कुछ कर गुजरने की तमन्ना होनी चाहिए : सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गुरुवार को लोकभवन में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग एवं उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से चयनित 199 समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी सचिवालय प्रशासन विभाग, परिवहन विभाग के 183 कनिष्ठ सहायक,निर्वाचन विभाग में 128 कनिष्ठ सहायक, मिलाकर 510 नव चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज नियुक्ति पाने वालों में गोण्डा, बिजनौर, अयोध्या और अंबेडकरनगर के अभ्यर्थी हैं। पहले यह संभव नहीं था। कुछ जिलों के लोग ही चयनित होते थे। पिछले छह साल में छह लाख सरकारी नौकरी दी गयी है। पिछले डेढ़ वर्ष में 16 नियुक्ति वितरण कार्यक्रम आयोजित किये गए। 54 हजार से अधिक सरकारी नौकरी देने में हम सफल हुए हैं, जहां चाह वहां राह। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव देखा है। जिस दिन मतदान था, उस दिन तो हिंसा के चलते लोगों की मौत हुई ही, मतगणना के दौरान भी लोग मारे गये। पंचायत चुनाव से लेकर निकाय के चुनाव हुए। लोकसभा चुनाव हुए। कोई हिंसा नहीं हुई। कोई

उपद्रव नहीं। बूथ कैप्चरिंग की कोई गुंजाइश नहीं। वे लोग लोकतंत्र की बात करते हैं। सबसे अधिक लोकतंत्र का गला वे लोग ही घोंटते हैं जो लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए हल्ला करते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने चयनित युवाओं से कहा, कुछ कर गुजरने की तमन्ना होनी चाहिए।प्रधानमंत्री कहते हैं कि सामने आई चुनौतियों से घबरा जाने वाले कुछ नहीं कर सकते। डटकर सामना करना चाहिए। जो व्यवहार हमें अच्छा नहीं लगता उसे किसी और के साथ नहीं करना चाहिए। शासन ने निर्णय लिया है कि किसी भी टेबल पर तीन दिन से अधिक फाइल नहीं रुकनी चाहिए। हम दौरों पर रहने के बावजूद वापस आते ही फाइलों का निपटारा करते हैं। कोई फाइल पेंडिंग नहीं रखता।संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने नवचयनित युवाओं से कहा कि कल तक आप लोग सरकारी दफ्तरों में जाने पर कर्मचारियों, अधिकारियों से जो व्यवहार करते थे, अब आप से भी वही अपेक्षा होगी। दूसरी अपेक्षा लोग करते हैं कि उनका कार्य बिना लाग–लपेट के हो जाए। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद से आप सामान्य नागरिक नहीं रह गए। आप पर जिम्मेदारी है, उसे बेहतरी के साथ निभाईए। पारदर्शी तरीके से भर्ती हुई है। आज हर कोई चाहता है कि उसके प्रदेश का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हों। परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने कहा कि पहले नौकरियों में लूट होती थी। आज योग्य युवाओं के घर नौकरी चल कर जाती है। पूरी पारदर्शिता के भर्ती प्रक्रिया अपनाई गयी है। यह सरकारी नौकरी की बात है, परिवहन विभाग में संविदा कर्मियों की भर्ती में भी इसी प्रकार की पारदर्शी व्यवस्था अपनाई गयी है। दिव्या, रश्मि वर्मा, आशीष, अपर्णा मौर्या, अमित कुमार तिवारी, सचिवालय प्रशासन विभाग हनुमंत प्रसाद सिंह, वंदना वर्मा, दीप्ति यादव, शैलेन्द्र कुमार रावत जैसे अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से मंच पर नियुक्ति पत्र दिया।

जेपी नड्डा का श्रावस्ती का कार्यक्रम रद्द, 14 जुलाई को करने वाले थे विशाल रैली

(एजेन्सी)

लखनऊ। 2024 लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से जुट गई है। पार्टी 2019 के लोकसभा चुनाव में हारी हुई सीटों पर रैलियां करेंगी। इसी क्रम में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पूरे प्रदेश के सभी 16 सीटों पर रैली करने वाले थे। 14 जुलाई को होने वाली जेपी नड्डा की श्रावस्ती में रैली को रद्द कर दिया गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 16 सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन उप चुनाव में बीजेपी ने 2 सीटों पर जीत हासिल कर लिया था। लेकिन अभी भी बीजेपी के लिए 14 ऐसी लोकसभा सीटें थी जिसमें बीजेपी का जनाधार कमजोर साबित हुआ था। उसी को मजबूत करने के लिए बीजेपी लोकसभा चुनाव से 8 महीने पहले ही तैयारियों में जुटी हुई है। इसके तहत बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा इसकी शुरुआत गाजीपुर से कर चुके है और 14 जुलाई को श्रावस्ती में जनसभा को संबोधित करने वाले थे लेकिन बाढ़

और भारी बारिश के चलते उनका प्रोग्राम रद्द करना पड़ा। श्रावस्ती लोकसभा उन सीटों में शामिल है जो बीजेपी 2019 में नहीं जीत पाई थी। श्रावस्ती में जेपी नड्डा की रैली दूसरी बार टली है। इससे पहले 26 जून को उन्हें रैली करनी थी लेकिन तब महा संपर्क अभियान के चलते रैली नहीं हो पाई थी। दरअसल 2014 में बीजेपी ने श्रावस्ती सीट पर जीत हासिल की थी तब दद्दन मिश्रा यहां से सांसद चुने गए थे,लेकिन 2019 में बीजेपी को सपा बसपा गठबंधन के चलते यहां मात मिली थी। और अब एक बार फिर चर्चा है कि इस सीट पर बीजेपी किसी एमएलसी को लोकसभा का उम्मीदवार बना सकती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश की 16 सीटों पर हार का सामना करना पड़ता है या वह सीटें थी जहां पर सपा बसपा गठबंधन के प्रत्याशी मैदान में थे। उत्तर प्रदेश के बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल ,रायबरेली, घोसी, लालगंज, जौनपुर, अंबेडकर नगर, गाजीपुर, श्रावस्ती, मैनपुरी, सहारनपुर, आजमगढ़, रामपुर और नगीना है।

सशस्त्र बलों के बीच मोटे अनाज को बढ़ावा देने का समझौता

नयी दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण और रक्षा मंत्रालय ने सशस्त्र बलों में मोटे अनाज के उपयोग और स्वस्थ भोजन प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने तथा सुरक्षित तथा पौष्टिक भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय बृहस्पतिवार को यहां बताया कि रक्षा मंत्रालय और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। दोनों मंत्रियों ने श्री अन्न की खपत और इसके स्वास्थ्य लाभों को बढ़ावा देने के लिए श्रक्षा के लिए स्वस्थ व्यंजनश नामक पुस्तक का भी अनावरण किया। इस अवसर पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और सचिव जनरल अनिल चौहान, रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने औरकेंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषणद्द तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। रक्षा

मंत्रालय की ओर से आपूर्ति और परिवहन – महानिदेशक जनरल प्रीत मोहिंदर सिंह और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की कार्यकारी निदेशक इनोशी शर्मा ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसका उद्देश्य कर्मियों के बीच आहार विविधता और मोटे अनाज–आधारित खाद्य उत्पादों के पोषण संबंधी लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना है। समझौता ज्ञापन के अनुसार रक्षा मंत्रालय से संबंधित विभागों में की कैंटीन में मोटे अनाज से संबंधित आहार की सूची तैयार की जाएगी। इसके अलावा कैंटीनों रसोइयों और सहायकों को मोटे अनाज का व्यंजन तैयार करने का प्रशिक्षण भी किया जाएगा।

ठाकरे को किसी मनोचिकित्सक से उपचार कराने की जरूरत है : फड़णवीस

(एजेन्सी)

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को उद्धव ठाकरे की ''कलंक'' वाली टिप्पणी को लेकर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसा लगता है कि मौजूदा राजनीतिक स्थिति के कारण शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख को ''मनोरोग उपचार'' की जरूरत है। फडणवीस के गृह नगर नागपुर में शिवसेना (यूबीटी) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उद्धव ने सोमवार को कहा था, "भाजपा नेता (फडणवीस) नागपुर पर एक 'कलंक' हैं, क्योंकि उन्होंने कहा था कि वह राकांपा (राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी) के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन फिर भी उन्होंने ऐसा किया।" ठाकरे की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, ''विपक्षी और पूर्व मित्र (ठाकरे) को वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रम के प्रभाव का सामना करते हुए देखकर मुझे दुख होता है। मुझे लगता है कि उन्हें मनोचिकित्सक से परामर्श लेने की आवश्यकता है।'' फडणवीस ने कहा,

''जो व्यक्ति अपनी वर्तमान मनोवैज्ञानिक स्थिति के कारण आरोप लगाता है, उस पर प्रतिक्रिया देना अनुचित है। उनकी वर्तमान मानसिक स्थिति ऐसी है कि हमें इसे समझने का प्रयास करना चाहिए। वह जो कह रहे हैं उस पर प्रतिक्रिया ना देना ही बेहतर है।'' भाजपा की तरफ से कड़ी प्रतिक्रिया के बीच उद्धव ठाकरे ने पलटवार करते हुए पूछा कि क्या भाजपा के नेता भी दूसरों पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगाते और उन पर ''कलंक'' का कटाक्ष नहीं करते? उन्होंने दावा किया कि संजय राउत और अनिल परब जैसे प्रमुख शिवसेना (यूबीटी) नेताओं को भाजपा द्वारा परेशान किया जा रहा है।

ठाकरे ने राकांपा नेता और नवनियुक्त राज्य मंत्री हसन मुशरिफ के स्पष्ट संदर्भ में कहा, । ''जब आप सभी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाएंगे, उन पर दाग लगाएंगे और फिर कैबिनेट में उनके बगल में बैठेंगे, तो वह परिवार समाज का सामना कैसे करेगा?''राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़े बदलाव के तहत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अजित पवार और उनके आठ सहयोगी दो जुलाई को एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे जिससे शरद पवार द्वारा स्थापित पार्टी विभाजित हो गई। अजित पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया, जबकि अन्य को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई।

यमुना में जलस्तर 208.48 मीटर तक पहुंचा

केजरीवाल ने जलमग्न इलाकों में स्कूल बंद करने की घोषणा की

नयी दिल्ली। यमुना में जलस्तर के 208.48 मीटर तक पहुंचने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को उन इलाकों में स्कूलों को बंद करने की घोषणा की, जहां पानी भर गया है। केजरीवाल ने ट्वीट किया, '' दिल्ली के जिन इलाकों में पानी भर रहा है वहां पर सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद किए जा रहे हैं।'' दिल्ली में यमुना का जलस्तर बृहस्पतिवार को सुबह बढ़कर 208.48 मीटर पर पहुंच गया, जिससे आसपास की सड़कें, सार्वजनिक व निजी बुनियादी ढांचे जलमग्न हो गए और नदी के पास रहने वाले लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। यमुना में जलस्तर रविवार को पूर्वाह्न 11 बजे 203.14 मीटर से बढ़कर सोमवार शाम पांच बजे 205.4 मीटर पहुंच गया, जो उम्मीद से 18 घंटे पहले खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया। सोमवार रात नदी का जलस्तर 206 मीटर के निशान को पार कर गया था। बुधवार दोपहर एक बजे तक नदी का जलस्तर 207.49 मीटर के निशान और रात 10 बजे यह 208 मीटर के निशान को पार कर गया।

विधानसभा मार्च कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं पर लाठीचार्ज में एक की मौत, कई घायल

(एजेन्सी)

पटना । बिहार में शिक्षक भर्ती, नौकरी का वादा, भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून – व्यवस्था के मुद्दे को लेकर विधानसभा मार्च कर रहे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं और नेताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल समेत कई लोग घायल हो गए और एक कार्यकर्ता की मौत की भी सूचना है । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के नेतृत्व में भाजपा के सांसद, विधायक और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता गांधी मैदान से विधानसभा के लिए मार्च करते हुए निकले लेकिन पुलिस ने उन्हें डाकबंगला चौराहे पर आगे बढ़ने से रोक दिया । इसके बाद भाजपा के कार्यकर्ता आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे तब पुलिस ने

उन्हें रोकने के लिए पानी का बौछार किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े । इसके बावजूद जब भाजपा कार्यकर्ता आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे तब उन्हें तितर– बितर करने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिसमें सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल समेत कई कार्यकर्ता घायल हो गए । भाजपा के राज्यसभा सदस्य और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने दावा किया है कि पुलिस लाठीचार्ज में भाजपा के जहानाबाद के महामंत्री विजय कुमार सिंह की मौत हो गई है। वहीं, जिला प्रशासन ने पुलिस लाठीचार्ज में भाजपा कार्यकर्ता की मौत के दावे को गलत बताया है । जिला प्रशासन ने कहा है कि भाजपा कार्यकर्ता के शरीर पर कोई चोट का निशान नहीं मिला है।

राज्यपाल से मिले आरएमएल संस्थान के निदेशक, चिकित्सक और विद्यार्थी

(एजेन्सी)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से राजभवन में डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ की निदेशक डॉ

सोनिया नित्यानंद, संकायाध्यक्ष तथा दस अन्य चिकित्सा विद्यार्थियों ने राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष से भेंटकर उनके निर्देश में संस्थान को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) द्वारा एमबीबीएस की 150 सीट्स की मान्यता प्रदान कर दिए जाने पर अपनी हार्दिक प्रसन्नता और आभार व्यक्त किया। डॉ सोनिया नित्यानंद ने संस्थान की इस उपलब्धि पर राज्यपाल जी का आभार व्यक्त करते हुए कहा उनके बहुमूल्य दूरदर्शी विचार, प्रेरणा और मार्गदर्शन तथा प्रयासों से डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान को आगामी पाँच वर्षों के लिए यह उपलब्धि प्राप्त हो सकी है।

सुप्रीम कोर्ट ने जताई यूपी के अफसरों के रवैये पर नाराजगी

कहा–अदालत के प्रति सम्मान नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर सरकार सरकार के अफसरों के रवैये पर कड़ी नाराजगी जताई है। अफसरों की नाफरमानी से नाराज सर्वोच्च अदालत को कहना पड़ा कि शीर्ष अदालत के प्रति उनमें जरा भी सम्मान नहीं । इस टिप्पणी की यूपी की नौकरशाही में बेहद चर्चा हो रही है। इसकी वजह से योगी सरकार कोर्ट के निशाने पर आ गई है।जस्टिस सूर्यकांत व जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने याचिकाकर्ताओं की समय पूर्व रिहाई के सभी लंबित आवेदनों पर चार सप्ताह में फैसला करने का आदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं होने पर उत्तर प्रदेश सरकार में गृह विभाग के प्रमुख सचिव 29 अगस्त को अगली सुनवाई के दिन कोर्ट में मौजूद रहेंगे।सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश में आजीवन कारावास की सजा काट रहे कुछ कैदियों की सजा में छूट के संबंध में उसके निर्देशों के अनुपालन में करीब एक साल की देरी पर गहरी नाराजगी जताते हुए यह टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट के इस कड़े रुख के बाद यूपी की नौकरशाही में हड़कंप है। सर्वोच्च अदालत के आदेश को लेकर लापरवाही के कारण सरकार की किरकरी हो रही है।अफसर कोर्ट के निर्देश को गंभीरता

से नहीं लेते जिसकी वजह से सुनवाई के दौरान शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है।इससे यूपी की छवि पर भी असर पड़ता है। उत्तर सरकार ने पीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान कहा कि सिफारिशों के बाद सजा में छूट पर अंतिम निर्णय राज्यपाल को करना होता है।

कोर्ट का राज्यपाल को डेडलाइन देना सही नहीं होगा।इस पर पीठ ने कड़ा ऐतराज जताया और कहा कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है।ऐसे लोग भी हैं जो लगभग 30 वर्षों से परेशान हैं। उन्हें बेवजह काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि 16 मई 2022 को उन्होंने तीन महीने में निर्णय करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद उत्तर प्रदेश प्रशासन ने कई कैदियों की याचिका पर अभी तक फैसला नहीं किया है। बरेली कारागार में बंद याचिकाकर्ता कैदियों ने बिना छूट 14 साल से अधिक की वास्तविक सजा पूरी कर ली थी। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने एडिशनल एडवोकेट जनरल अर्धेंदुमौली कुमार प्रसाद से कहा कि आपके राज्य में यही हो रहा है।

सम्पादकीय

पानी-पानी राजधानी

जीवनदायिनी यमुना दिल्ली के लोगों को डरा रही है। वजह है यमुना का जल स्तर पिछले 45 साल के रिकॉर्ड को तोड़ रहा है। बुधवार शाम छह बजे यमुना का जल स्तर 207.55 मीटर तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली में यमुना के खतरे का निशान 205.33 मीटर ही है। उस पर केंद्रीय जल आयोग की भविष्यवाणी डरा रही है कि बुधवार की रात को यमुना का जलस्तर 207.72 मीटर तक पहुंचने की आशंका है। निस्संदेह, यह दिल्ली वालों के लिये अच्छी खबर नहीं है। अब जब यमुना का पानी रिंग रोड व कश्मीरी गेट स्थित आईएसबीटी के निकट सड़कों तक पर दस्तक देने लगा है, तो दिल्ली सरकार के माथे पर भी चिंता की लकीरें उभर आई हैं। इससे दिल्ली का यातायात भी प्रभावित हो रहा है। यमुना के उफान को देखते हुए केजरीवाल सरकार ने एनडीआरएफ से मदद मांगी है। नदी के किनारों पर स्थित निचले स्थानों पर पहले ही बाढ़ जैसे हालात हैं और विस्थापितों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। तटों की तरफ लोगों की आवाजाही रोकने के लिये धारा 144 लगाई गई है। संकट के बाबत मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रशासनिक व राहत से जुड़े विभागों की आपात बैठक बुलायी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने केंद्रीय गृहमंत्री को भेजे पत्र में चिंता जाहिर की है कि हथिनी कुंड बैराज से ज्यादा पानी छोड़े जाने से यह संकट पैदा हुआ है। दिल्ली को बचाने के लिये छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा को कम किया जाये। उन्होंने चेताया है कि यदि बाढ़ आती है तो आने वाले दिनों में दिल्ली में होने वाले जी–20 शिखर की मेजबानी के चलते दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जायेगा। केंद्रीय गृहमंत्री को लिखे पत्र में केजरीवाल ने कहा है कि अगर तुरंत यमुना में हथिनी कुंड बैराज से छोड़े जा रहे पानी को नहीं रोका गया तो दिल्ली में हालात बिगड़ सकते हैं। निस्संदेह, हालात लोगों की फिक्र बढ़ाने वाले ही हैं। दरअसल, चिंता की बात यह भी है कि फिलहाल दिल्ली में बारिश नहीं हो रही है, लेकिन मौसम विभाग ने पंद्रह व सोलह जुलाई के लिये बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। जाहिर है कि यदि बारिश होती है तो समस्या जटिल हो सकती है। दिल्ली में पानी निकासी की समस्या खड़ी हो सकती है। दरअसल, वर्ष 1978 में जब यमुना का जल स्तर 207.49 हुआ तो दिल्ली को भारी बाढ़ का सामना करना पड़ा था। बताया जाता है कि तब बाढ़ से करीब 43 वर्ग किलोमीटर की कृषि भूमि जलमग्न हो गई थी। लाखों लोग बेघर हो गये थे। लेकिन तब यमुना के किनारे पुस्ते नहीं बनाये गये थे। इस बार के जल स्तर के अधिक होने से लोगों की चिंता बढ़ गई है। बताते हैं कि केंद्र सरकार ने हथिनी कुंड बैराज का पानी रोकने में असमर्थता जाहिर की है। हालांकि हिमाचल आदि से पानी कम आ रहा है, लेकिन फिर भी पानी का जलस्तर बढ़ने की आशंका है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2010 में यमुना का जल स्तर 207.11 व वर्ष 2013 में जल स्तर 207.32 मीटर होने पर भी दिल्ली को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। यमुना का पानी नोएडा–दिल्ली लिंक रोड पहुंचने से चिंता बढ़ गई है, जिसके मद्देनजर मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्ली सचिवालय में सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक बुलाई है। फिक्र की बात यह है कि उत्तराखंड व हिमाचल की नदियों का जल स्तर लगातार बढ़ रहा है, जिसके चलते दिल्ली सरकार ने निचले इलाके के लोगों से तुरंत घर खाली करके सुरक्षित स्थानों पर चले जाने को कहा गया है। वहीं केंद्रीय जल आयोग की जल स्तर बढ़ने की चेतावनी लोगों की चिंता बढ़ा ही रही है। उस पर चिंता यह भी कि पिछले दिनों जुलाई के दूसरे हफ्ते में दिल्ली में बारिश ने पिछले चालीस साल का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिसके लिये दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम तैयार नहीं है। निस्संदेह, ग्लोबल वार्मिंग से बारिश के पैटर्न में आये बदलाव के चलते हमारे शहरों के नियोजन पर नये सिरे से विचार करना होगा। साथ ही बरसाती पानी के निस्तारण के लिये युद्ध स्तर पर प्रयास करने की जरूरत है।

प. बंगाल के पंचायत चुनाव

प. बंगाल के पंचायत चुनावों में ममता दीदी की तृणमूल कांग्रेस की तूफानी जीत से यह सिद्ध हुआ है कि जमीन पर उनकी पकड़ बहुत गहरी है वहीं यह भी समस्या पैदा हुई है कि आगामी लोकसभा चुनावों में राज्य में भाजपा के खिलाफ राष्ट्रीय स्तर की प्रस्तावित विपक्षी एकता किस प्रकार हो पायेगी? क्योंकि कांग्रेस पार्टी व मार्क्सवादी पार्टी ने इन चुनावों में भाजपा के साथ ही तृणमूल कांग्रेस का खुलकर विरोध किया है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर ये सभी पार्टियां भाजपा के खिलाफ संगठित मोर्चा बनाने की घोषणाएं कर रही हैं। प. बंगाल के त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों (ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद) में तृणमूल कांग्रेस पार्टी ने 75 प्रतिशत से भी ज्यादा सीटें जीत कर यह तो सिद्ध कर दिया है कि यदि कांग्रेस व मार्क्सवादी पार्टी भी भाजपा के साथ ही उसके खिलाफ चुनाव लड़ती हैं तो इसका लाभ अन्ततः उसे ही मिलेगा और भाजपा के वोटों में कमी आयेगी। ग्राम पंचायत की कुल 63229 सीटों में से जिनके चुनाव परिणाम घोषित हुए उनमें 34,901 सीटें तृणमूल कांग्रेस के खाते में गईं जबकि भाजपा को 9,719 सीटें मिली व मार्क्सवादी पार्टी को 2938 और कांग्रेस को 2542 सीटें मिलीं। इस प्रकार भाजपा बहुत बड़े अन्तर के साथ दूसरे नम्बर की पार्टी रही जबकि मार्क्सवादी पार्टी व कांग्रेस तीसरे व चौथे नम्बर की पार्टी रहीं। यही स्थिति पंचायत समिति व जिला परिषद की सीटों पर भी रही। इससे यह तो तय हुआ कि इन चुनावों में हिंसा होने का शोर मचने के बावजूद गांवों में ममता दी की पकड़ बहुत मजबूत है जबकि भाजपा अपनी पकड़ बनाने की प्रक्रिया में है। यह निश्चित रूप से शोचनीय है कि यदि ग्राम स्तर के पंचायत चुनावों में ही हिंसा होती है तो इससे राजनैतिक दलों की असलियत की पोल ही खुलती है। मगर प. बंगाल का चुनावी इतिहास बहुत दागदार भी रहा है खासकर वामपंथियों के लम्बे 37 वर्षीय शासन के दौरान। 2011 में ममता बनर्जी इसी शासन को उखाड़ कर पहली बार विधानसभा में प्रचंड बहुमत लेकर शासनारूढ़ हुई थीं मगर दुर्भाग्य से वह अपने राज्य की संस्कृति नहीं बदल सकीं और उनकी पार्टी ने भी सत्ता में बने रहने के लगभग वे ही गुर अपना लिये जो वामपंथियों के थे। बेशक तृणमूल कांग्रेस पार्टी के नेता पंचायत चुनावों के परिणामों को लोकसभा चुनावों की झांकी बता रहे हैं मगर असलियत ऐसी नहीं है क्योंकि राष्ट्रीय चुनावों के मुद्दे पूरी तरह अलग हो जाते हैं। प. बंगाल के सन्दर्भ में तो यह वास्तविकता और अधिक मुखर हो जाती है क्योंकि यहां की जनता ने राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन को दिशा देने के साथ ही एक से बढ़कर एक विचारक और क्रान्तिकारी नेता दिये हैं। बंगालियों को भारत का 'दिमाग' भी कहा जाता है। अतः राष्ट्रीय चुनावों का पंचायत चुनावों की तर्ज पर होना असंभव है। ममता दीदी के लिए आगामी लोकसभा चुनावी बिसात कई मायनों में आसान नहीं होगी। सबसे पहले राष्ट्रीय राजनीति में उन्हें अपनी क्षेत्रीय भूमिका तय करनी होगी क्योंकि अखिल भारतीय स्तर पर बंगाल से बाहर उनका असर नाम मात्र का है दूसरे अपने ही राज्य में भाजपा से मुकाबला करने के लिए उन्हें ऐसी शतरंज बिछानी होगी कि हर हालत में विपक्षी मोर्चे के घटक दल ही लाभ में रहें। यह कार्य दुष्कर मालूम पड़ता है क्योंकि विगत 2019 के चुनावों में भाजपा को राज्य की कुल 42 सीटों में से 18 सीटें मिली थी और उन्हें 22 । लोकसभा चुनावों के लिए यदि विपक्षी एकता होती है तो ममता दीदी का अपने राज्य में संयुक्त विपक्ष का विमर्श ही आगे बढ़ाकर उसके आधार पर वोट मांगने होंगे। यह चुनाव भाजपा और विपक्ष के विमर्शों में सीधा विकल्प खोजने का चुनाव होगा। ममता दी की पार्टी हर मायने में एक क्षेत्रीय पार्टी ही है अतः इसका स्थानीय एजेंडा राष्ट्रीय चुनावों में प्रासंगिक नहीं हो सकता।

सावन यानी शिव को रिझाने का समय

सावन का पहला सोमवार बीती 10 जुलाई को पूरी आस्था के साथ मनाया गया। देशभर के शिवालयों में सुबह चार बजे से बारह बजे रात्रि तक तमाम भक्त आते रहे। सूरज की पहली किरण फूटने से पहले ही भक्तों का तांता मंदिरों में लग गया था। शिव का जीवन ही इस बात का प्रतीक है कि प्रकृति से तालमेल स्थापित कर ही जीवन में सुख–शांति, सरलता, सादगी, शौर्य, योग, अध्यात्म सहित कोई भी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। आषाढ़ मास से ही वर्षा ऋतु की शुरूआत होती है। श्रावण मास आते–आते चारों तरफ हरियाली छा जाती है। यह सभी के मन को लुभाने वाली होती है। श्रावण मास में प्रकृति का अनुपम सौंदर्य देखते ही बनता है। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे चारों तरफ बसंत ऋतु ही छाई हुई है। संसार के प्राणियों में नई उमंग व नव जीवन का प्रसार होने लगता है। प्रकृति की अनुपम छठा को देखकर भगवान शिव आनंदित व आत्मविभोर हो जाते हैं। श्रावण मास भगवान शिव को अत्यंत प्रिय है। श्रावण मास के प्रकृति के अनुपम सौंदर्य का वर्णन शब्दों में नहीं किया जा सकता है। ऐसे में जब भगवान शिव प्रसन्न हो जाते हैं तो संसार में ऐसा कुछ भी नहीं, जो वह अपने भक्तों को न दे पाएं। भगवान शिव को रिझाने में भक्तजन अपनी मनोकामना के लिए नाना प्रकार के यत्न करते हैं। सावन का महीना शुरू होने के साथ ही बोल बम के जयकार भी चारों तरफ सुनाई देने लगे हैं। इसके साथ ही श्रावण शिवरात्रि पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए पवित्र गंगाजल लाने के लिए कावड़ियों का तीर्थ स्थलों पर जाने का सिलसिला जारी है। पूरे सावन को भगवान शिव का महीना ही माना जाता है। इस बार तो अधिक मास के कारण श्रावण पूरे दो महीने तक चलेगा. शिवपुराण की कथा के अनुसार, श्रावण मास में भगवान शिव को प्रसन्न करने के तीन मार्ग हैं – पहला जलाभिषेक, दूसरा बेल पत्र, पुष्प चंदन, कमलपुष्प व पंचामृत से पूजा अर्चना और तीसरा जप–तप के द्वारा। इनमें से किसी भी एक मार्ग का अनुसरण किया जा सकता है। वस्तुतरू भिन्न–भिन्न कामनाओं के अनुरूप विभिन्न प्रकार की वस्तुओं को चढ़ाने का भी प्रावधान है। शिव महापुराण, स्कंध पुराण, विष्णु पुराण व नारद पुराण भी इसी तरफ संकेत करते हैं। सभी देवी–देवताओं ने मिलकर कैलाश पर्वत को दुल्हन की तरह सजाया था। कैलाश पहुंचने पर श्रावण मास शुरू हो गया। सभी देवी–देवताओं ने मिलकर पूरे श्रावण मास को उत्सव के रूप में मनाया। शिव का सावन प्रकृति के साथ साहचर्य का संदेश है। शिव अगर नीलकंठ हैं और दुनिया के लिए अकेले जहर को अपने गले में धारण कर सकते हैं, तो उसके साथ–साथ भांग और धतूरा खाने और पीने वाले भी शिव ही हैं। शिव की दोनों तस्वीरें साथ–साथ जुड़ी हुई हैं। भारत में करोड़ों लोग समझते हैं कि शिव धतूरा पीते हैं, शिव की पलटन में लूले–लँगड़े हैं, उसमें जानवर भी हैं, भूत–प्रेत भी हैं और सब तरह की बातें जुड़ी हुई हैं। लूले–लँगड़े, भूखे के मानी क्या हुए? गरीबों का आदमी। शिव सबके हैं। इसका अर्थ ही यह है कि शिव सभी बेसहारा प्राणियों के सहारा हैं भांग धतूरा का वे सेवन नहीं करते, बल्कि, अपने भक्तों को अपने दुर्गुणों को छोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं कहते हैं "लाओं अपने सारे दुर्वसन मुझे दे दो और तुम शुद्ध भाव से मेरी आराधना में" लगो मानव जीवन का वास्तविक लक्ष्य क्या है? जीवात्मा अनादिकाल से प्रकृति के प्रवाह में अणु–रूप में नानाविध शरीर धारण करते हुए काल की गति के साथ बह रहा है। मोक्ष की कामना को भटक रहे मानव के लिए सनातन धर्म में भक्ति को विभिन्न देवताओं की पूजा के अलग–अलग विधान हैं। सृष्टि के कल्याणकारी देवाधिदेव महादेव शिव शंकर ही ऐसे देव हैं, जो मात्र एक लोटा जल श्रद्धा भाव से ग्रहण कर ही मानव के जीवन को सरल बना देते हैं। शिव हम सभी के आसपास ही विराजमान रहते हैं। न जाने किस रूप में वे अपने भक्तों को दर्शन दे जाएं। लेकिन, उनको पहचान पाना मानव के लिए सदा से ही एक बड़ा गंभीर विषय रहा है। यह बिल्कुल ऐसा ही है जैसे आकाश में बादल रहने पर बादलों के मध्य में स्थित सूर्यबिंब दिखाई नहीं देता। सूर्योदय के बाद आकाश के मेघावृत रहने पर मेघ के हटने के साथ ही सूर्य के दर्शन होते हैं एवं उसकी किरण और धूप की भी प्राप्ति होती है। शिव की भक्ति करने वाले को अपनी मस्तिष्क के पड़े उस अज्ञान के पर्दे को हटाने की जरूरत है जो उस कल्याणकारी देव प्रभाव को नहीं देख पाता है। शिव हरेक संकट में एक आश्वासन हैं। उनकी हरेक श्मशान घाट या भूमि में लगी मूर्ति मानव समाज को राहत देती है। उन कठोर पलों में उनको देखकर ऐसा लगता है मानो कोई आपकी पीठ को थपथपा रहा है। जैसे वे कहे रहे हो, "मैं अभी हूं न तुम्हारे साथ ।" अभी तक शिव का श्मशान भूमि में एकछत्र राज रहा है। वह उनकी दुनिया है। उसमें अतिक्रमण निषेध है। श्मशान में शिव की सत्ता है। शिव की मूर्ति के आसपास कुछ शोकाकुल लोग बैठ भी जाते हैं। उनको करीब से देखते भी हैं। मन ही मन सवाल भी करते होंगे कि क्यों श्मशान प्रिय है शिव को? हालांकि इस प्रश्न के उत्तर बार–बार मिल चुके हैं। सतगुरु जग्गी कहते हैं कि दरअसल शिव का श्मशान डेरा है। 'श्म' का मतलब 'शव' से और 'शान' का मतलब 'शयन' या 'बिस्तर' से है। जहां शव पड़े होते हैं, वहीं वह रहते हैं। शिव श्मशान में जाकर बैठते और इंतजार करते हैं। शिव को संहारक माना जाता है, इसलिए नहीं कि वह किसी को नष्ट करना चाहते हैं। वह श्मशान में इंतजार करते हैं ताकि शरीर नष्ट हो जाए, क्योंकि जब तक शरीर नष्ट नहीं होता, आस–पास के लोग भी यह नहीं समझ पाते कि मृत्यु क्या है। वे हरेक मूर्ति में ध्यान की मुद्रा में हैं। लगता है कि वे स्वयं की खोज के लिए यात्रा में निकल पड़े हैं। वे कठोर चिंतन और ध्यान में मग्न हैं। शिव अपने भक्तों से कभी दूर नहीं जाते। श्रावण मास में समाधिस्थ शिव संसार को शंकाओं से मुक्त करते हुए समाधान से युक्त करते हैं। वे श्रद्धापूर्वक की गई प्रार्थनाओं को सुनते हुए हमारे पुरुषार्थ को फलीभूत करते हैं। सावन महीने के किसी सोमवार को शिव मंदिर में शिवलिंग के पास बैठकर पूजा करने का सुख वास्तव में अलौकिक होता है । इस दौरान काशी और झारखण्ड का वैद्यनाथ धाम तो काँवरियों से पट जाती है। महादेव शिव बनारस में लोकदेव हैं। सावन में शिव की पूजा, उपवास और ध्यान को उत्तम माना गया है। वर्ष का मास शिव को याद करने का है।

लोकतंत्र को चुप कराने की कोशिश

भाजपा पर विपक्ष कई बार ये आरोप लगा चुका है कि मीडिया की आवाज को दबाया जा रहा है। मंगलवार को इस आरोप का एक जीवंत प्रसारण देखने मिल गया। टाइम्स नाउ चौनल की एक पत्रकार ने भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह से सीधे–सीधे कुछ सवाल किए। भाजपा सांसद उन सवालों के आधे–अधूरे जवाब देते रहे, कई बार सवालों को टालने की कोशिश की, लेकिन महिला पत्रकार ने फिर भी अपना कार्य जारी रखा यानी वे सवाल पूछती रहीं तो भाजपा सांसद ने कुछ तेज आवाज में कहा चुप। इस दबंगई भरे चुप के फरमान के बावजूद महिला पत्रकार रुकी नहीं, ब्रजभूषण शरण सिंह के गाड़ी में बैठने तक सवाल करती रहीं, तो सांसद महोदय ने गाड़ी का दरवाजा बंद किया, खिड़की के शीशे चढ़ाए, बिना यह देखे कि उसमें महिला पत्रकार का हाथ फंस रहा है और माइक गिर रहा है। यह सारा घटनाक्रम कैमरे में रिकार्ड हुआ है, इसलिए इसमें कहीं फोरेंसिक जांच की भी जरूरत नहीं दिख रही कि वीडियो की सत्यता की पुष्टि की जाए। जो कुछ घटा, कैमरे के सामने घटा और सब कुछ रिकार्ड हो चुका है।करीब 3 साढ़े 3 दशक पहले एक फिल्म आई थी कर्मा, जिसमें डा. डैंग नाम का खलनायक बने अनुपम खेर का एक संवाद काफी चर्चित हुआ था कि इस थप्पड़ की गूंज तुम्हें मरते दम तक सुनाई देगी जेलर। ऐसा लग रहा है कि भाजपा सांसद के चुप की गूंज भी राजनीति में लंबे वक्त तक सुनाई देने वाली है। यह चुप किसी एक पत्रकार के लिए नहीं, समूचे मीडिया और लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी के अधिकार के लिए चुनौती बन गया है। भवानीप्रसाद मिश्र की कविता है–सतपुड़ा के घने जंगलनींद में डूबे हुए–से,ऊंघते अनमने जंगल।झाड़ ऊंचे और नीचेचुप खड़े हैं आंख भींचेयघास चुप है, कास चुप है मूक साल, पलाश चुप है। आज हम मानो लोकतंत्र को ऐसे ही किसी घने जंगल में तलाश रहे हैं, जहां जनता अब तक नींद में डूबी, अनमनी सी ऊंघ रही है। और लोकतंत्र के स्वघोषित पहरुए आंखें भींचे चुपचाप खड़े हैं। सत्ता अपने सामने अन्याय, अत्याचार, अधर्म देखकर चुप है। प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी टूटने का इंतजार देश कर रहा है कि कब वे मणिपुर में चल रही हिंसा पर कुछ कहेंगे। कब वे टमाटर के आकाश छू रहे दामों पर राहत की घोषणा करेंगे। कब श्री मोदी पहलवान बेटियों की इंसाफ की लड़ाई में अपने समर्थन की आवाज मिलाएंगे। और कब वे अपनी पार्टी के सांसद से कहेंगे कि आपके ऊपर आरोप है, तो आप अदालत का फैसला आने तक नैतिक आधार पर इस्तीफा दे दें। जब लखीमपुर खीरी कांड हुआ था, तब भी प्रधानमंत्री मोदी से ऐसी ही अपेक्षा की गई थी। जनता तब भी निराश हुई थी। क्योंकि श्री मोदी ने किसान आंदोलन और किसानों को कुचलने के अपराध के बाद अपनी चुप्पी तोड़ी भी तो यह कहने के लिए मेरी तपस्या में कमी रह गई, जो किसानों

को समझा नहीं पाए। उनके वक्तव्य में किसानों की पीड़ा कहीं नहीं झलकी थी। अब ऐसा ही कुछ पहलवानों के साथ हो रहा है। इन्हीं महिला पहलवानों पर श्री मोदी ने गर्व किया था कि वे देश के लिए पदक जीत कर लाई हैं। अतीत में प्रधानमंत्री ने क्रिकेट खिलाड़ी शिखर धवन की अंगूठे की चोट पर ट्वीट किया था कि आपकी कमी खलेगी, जल्दी स्वस्थ हों। जब प्रधानमंत्री को एक क्रिकेटर की चोट पर इतनी चिंता हो सकती है, तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को जीत दिलाने वाली महिला पहलवानों के टूटते हौसले की फिक्रक्यों नहीं हो रही। जनवरी से लेकर अब तक कितना कुछ सहन कर लिया है महिला पहलवानों ने। पहले भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष रहे ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत की, तो मामला जांच समिति को सौंप दिया गया। वहां से इंसाफ की कोई सूरत नजर नहीं आई तो जंतर–मंतर पर धरना दिया, वहां से उन्हें खदेड़ दिया गया, तो उन्होंने संसद की चौखट तक पहुंचने की कोशिश की, लेकिन रास्ते में ही उन्हें बलपूर्वक रोक लिया गया। गिरफ्तारी होनी थी आरोपी की, लेकिन महिला पहलवानों को गिरफ्तार कर लिया गया। पहलवानों ने अपने पदकों को गंगा में बहाना चाहा, तो उन्हें किसानों ने समझा–बुझा कर रोक लिया, हालांकि सरकार तब भी चुप ही रही। अब मामला अदालत में है, आरोपपत्र दाखिल हो चुका है, कई महिला पहलवानों ने अपने बयान दर्ज करवाए हैं और दिल्ली पुलिस ने अपने आरोपपत्र में कहा है कि अभी तक की जांच के आधार पर सिंह पर यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और पीछा करने के अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है और दंडित किया जा सकता है। इस आरोपपत्र में कहा गया है कि एक मामले में ब्रजभूषण सिंह ने श्कई बार और लगातारश उत्पीड़न किया। महिला पत्रकार इस आरोपपत्र के बाद ही ब्रजभूषण शरण सिंह से सवाल कर रही थीं कि क्या ये आरोप सही हैं। उन्होंने आरोपी भाजपा सांसद से इस्तीफे को लेकर भी सवाल किया। सवालों से नाराज सांसद महोदय ने सत्ता की रसूख वाला चुप पूरी तल्खी के साथ कहा। क्योंकि इसी चुप के इर्द–गिर्द ही सारी सत्ता चल रही है। शासकों का रवैया सबके सामने जाहिर हो गया है। वे चुप रहेंगे और चुप कराते रहेंगे। ब्रजभूषण शरण सिंह से पहले बहुत से दूसरे भाजपा सांसदों, मंत्रियों और नेताओं ने ऐसे ही सवाल पूछने वालों पर नाराजगी जाहिर की है। आत्मसम्मान रखने वाले पत्रकार इस नाराजगी पर भी सवाल उठाने की हिम्मत दिखाते रहे हैं। लेकिन कई मीडिया घराने सत्ता के आगे नतमस्तक होकर दिन–रात जी–हुजूरी में लगे रहते हैं। ऐसे घरानों में काम करने वाले पत्रकारों के सामने अब दो ही विकल्प बच गए हैं, वे या तो आत्मसम्मान और अपने कर्तव्य को किनारे रखकर किसी के चुप कहने से पहले ही मुंह पर उंगली रखकर सत्ता की कक्षा में बैठ जाएं या फिर चुप के फरमान पर और पुरजोर तरीके से अपने सवाल सत्ता के सामने रखें। तोप का मुकाबला कलम से हो, तो हिम्मत जुटानी ही पड़ती है।

अर्थव्यवस्था में गुलाबी परिदृश्य की उम्मीद

मौजूदा समय में अमेरिका सहित लगभग तमाम विकसित देशों के शेयर बाजार में बिकवाली का दौर जारी है। उतार–चढ़ाव के साथ–साथ शेयर बाजार गोते भी लगा रहा है। कोरोना महामारी, भू–राजनीतिक संकट, रूस–यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की ऊंची कीमत की वजह से विकसित देशों में शेयर बाजार की हालत खस्ता है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में नरमी है। कुछ देशों में मंदी के आसार हैं। इसके ठीक उलट भारतीय शेयर बाजार में विगत कुछ महीनों से उछाल की स्थिति बनी हुई है। 4 जुलाई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 274 अंकों की बढ़त के साथ 65,479 पर बंद हुआ। अपने शुरुआती कारोबार में बीएसई 381.55 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 65,586.60 अंकों के स्तर पर पहुंच गया। साल के अंत तक सेंसेक्स 70,000 के स्तर पर पहुंच सकता है।21 जून को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) या निफ्टी अपने उच्चतम स्तर 18,887 तक भले ही पहुंच नहीं सका, लेकिन यह अब तक के उच्चतम स्तर 18,640 के आसपास रहा। फिर, 28 जून को यह 19,000 के स्तर को पार कर गया। चार जुलाई को यह 90.95 अंकों की बढ़ोतरी के साथ 19,413.50 अंकों पर पहुंच गया। जानकार बताते हैं निफ्टी इस साल के अंत तक 21,000 के स्तर पर पहुंच सकता है। शेयर बाजार में लगातार उछाल से पिछले 3 महीनों में शेयर बाजार के निवेशकों की संपत्ति में 40 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है।शेयर बाजार में उछाल का कारण विदेशी संस्थागत निवेशकों और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) द्वारा ज्यादा निवेश करना है। इसमें अमेरिका और यूरोप के निवेशकों की संख्या अधिक है। जून महीने में विदेशी निवेशकों ने भारत में 47 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया था।विदेशी निवेशकों द्वारा भारत के बाजार में निवेश करने से चीन की परेशानी बढ़ रही है, क्योंकि चीन का बाजार कम निवेश होने से ठंडा पड़ता जा रहा है। विदेशी निवेशक चीन के बाजार से लगातार पैसा निकाल रहे हैं, जिसका कारण चीन का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों का नरम एवं निर्माण एवं विनिर्माण क्षेत्र का सुस्त रहना है। इसके कारण चीन की अर्थव्यवस्था पहले से कुछ कमजोर हो गई है। चीन में जनवरी–फरवरी महीने में विदेशी निवेशकों ने अच्छा–खासा निवेश किया था, लेकिन बाद के महीनों में निवेशकों ने 34 हजार करोड़ रुपये से अधिक राशि निकाल ली।अभी विदेशी निवेशक चीन की जगह भारत में निवेश करना

बेहतर मान रहे हैं, क्योंकि फिलहाल, भारत की अर्थव्यवस्था चीन से अधिक मजबूत है। फिलवक्त, भारत में निवेश करने के लिए अनुकूल माहौल है। विदेशी निवेशक तो इसका फायदा उठा ही रहे हैं, घरेलू निवेशक भी इसका फायदा उठा सकते हैं। वर्ष 2025 तक अर्थव्यवस्था के 3 ट्रिलियन से 5 ट्रिलियन होने की बात कही जा रही है। एचएसबीसी की हालिया रिपोर्ट में भारतीय अर्थव्यवस्था के 5 से 10 सालों में 7 ट्रिलियन होने की बात कही गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज रिकवरी का दौर जारी है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मुसलसल सुधार आ रहा है। वित्त वर्ष 2022–23 की अंतिम तिमाही में जीडीपी के 4.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था, लेकिन यह 6.1 प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2022–23 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर में बेहतरी आने से पूरे वित्त वर्ष की वृद्धि दर में भी सुधार दर्ज किया गया है। पहले वित्त वर्ष 2022–23 में एमपीसी ने जीडीपी के 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था, जो वास्तविकता में 7.2 प्रतिशत रही। दरअसल, डिजिटलाइजेशन हो जाने के कारण शेयर ब्रोकरों की जरूरत नहीं होती है। कोई भी निवेशक खुद से स्मार्टफोन के जरिये शेयरों की खरीद–बिक्री कर सकता है। भारत में बीएसई और एनएसई या निफ्टी नाम के दो प्रमुख शेयर बाजार हैं। शेयर बाजार में बांड, म्यूचुअल फंड और डेरिवेटिव भी खरीदे–बेचे जाते हैं। आमतौर पर ज्यादा प्रतिफल मिलने की आस में घरेलू–विदेशी निवेशक शेयर के रूप में कंपनियों में निवेश करते हैं, लेकिन अर्थतंत्र की समझ न होने या फिर कंपनियों के वित्तीय परिणाम का सही विश्लेषण नहीं करने या फिर आर्थिक, राजनीतिक कारणों का शेयर बाजार पर क्या या कैसा प्रभाव पड़ेगा, की समझ न होने की से निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ता है।

इसलिये, अगर कोई निवेशक शेयर बाजार में निवेश करना चाहता है तो उसे सतर्क और शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों पर पैनी नजर रखने की जरूरत है। शेयर की कीमत में उतार–चढ़ाव से निवेशकों को नुकसान के साथ देश की अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक असर पड़ता है। विदेशी निवेशकों द्वारा बिकवाली करने से एफडीआई में कमी आती है। इसके अभाव में देश की विकास दर, रोजगार, आर्थिक गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हालांकि, अभी शेयर बाजार में निवेश का अनुकूल माहौल है, जिसका फायदा सभी देशी एवं विदेशी निवेशकों को उठाना चाहिए।

शिक्षकों, विद्यार्थियों के प्रेरणा स्रोत हैं रज्जू भैयाः डॉ प्रमोद यादव

विश्वविद्यालय में मनाई गई रज्जू भैया की पुण्यतिथि

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) की पुण्यतिथि पर शुक्रवार को पुष्पांजलि का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि रज्जू भैया एक आदर्श व्यक्तित्व के धनी थे। उनका चिंतन हमेशा समाज के हित के लिए होता था। रज्जू भैया इलाहाबाद विश्वविद्यालय में भौतिक विज्ञान के प्राध्यापक और विभागाध्यक्ष रहे। रज्जू भैया की भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में प्रतिभा अभूतपूर्व थी, जिसके कारण देश के कई प्रसिद्ध वैज्ञानिकों ने उन्हें अपने साथ काम करने के लिए आमंत्रित किया, किंतु सामाजिक जीवन में रुचि होने के कारण रज्जू भैया ने सामाजिक कार्यों को चुना, तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। डॉ यादव ने कहा कि विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए।

इस अवसर प्रो. देवराज सिंह, प्रो. मिथिलेश सिंह, डॉ गिरिधर मिश्रा, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. अजीत सिंह, डा आलोक वर्मा, डॉ. पुनीत कुमार धवन, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. आशीष वर्मा , डॉ. सुजीत चौरसिया, डॉ सौरभ कुमार सिंह, डा संदीप वर्मा, डा धीरेन्द्र चौधरी, डा काजल कुमार डे व अन्य शिक्षक, शोधार्थी तथा बड़ी संख्या में छात्र छात्रा उपस्थित रहे।

मानव ज्ञान को दिशा प्रदान करता है शोध : गौरव राव

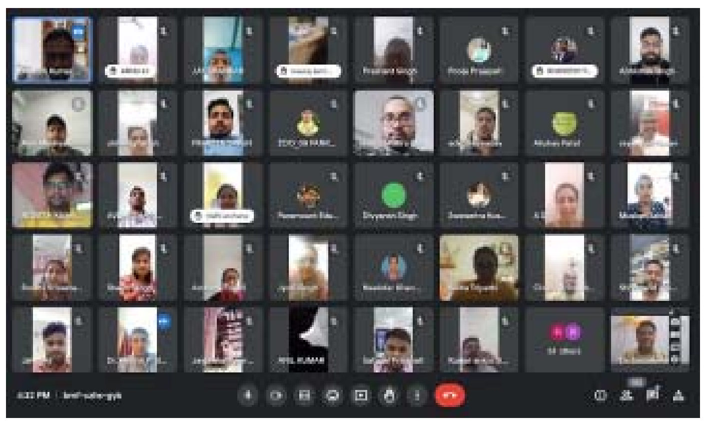

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के संकाय भवन में प्री पीएचडी कोर्स वर्क कक्षा में रिसर्च मेथाडोलॉजी पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले रूहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के एजुकेशन विभाग के आचार्य डॉ गौरव राव ने रिसर्च मेथोडोलॉजी के उद्देश्य और महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि

शोध मानव ज्ञान को दिशा प्रदान करता है तथा ज्ञान भण्डार को विकसित एवं परिमार्जित करता है।

इस अवसर पर विज्ञान संकाय में प्री–पीएचडी कोर्स वर्क अध्ययन केंद्र जिसमें बॉयोटेक्नोलॉजी, नैनो साइंस, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान विषय के शोधार्थी पंजीकृत है और अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संकाय पर भूगोल, राजनीति विज्ञान एवं गणित विषय के पंजीकृत शोधार्थी उपलब्ध रहे है। शोधार्थियों के कई प्रश्नों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा की पूर्ति की गई।

मनीष दुबे के निलंबन की अटकलों को शासन ने किया खारिज

लखनऊ (संवाददाता)। होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे पर कार्रवाई करने के लिए शासन ने जांच रिपोर्ट का परीक्षण शुरू कर दिया है। अपर मुख्य सचिव होमगार्ड्स अनिल कुमार ने कहा कि रिपोर्ट का परीक्षण करने के बाद निलंबन करने और विभागीय जांच शुरू करने का निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि डीआईजी होमगार्ड संतोष कुमार ने अपनी जांच रिपोर्ट डीजी बीके मौर्य को सौंपी थी। डीजी ने अपनी संस्तुतियों के साथ इसे शासन भेज दिया था। रिपोर्ट में महोबा में तैनात कमांडेंट मनीष दुबे को निलंबित कर विभागीय जांच शुरू करने और मुकदमा दर्ज करने की सिफारिश की गई है। अनिल कुमार ने सोशल मीडिया में चल रहीं उन अटकलों को खारिज कर दिया जिसमें मनीष दुबे के निलंबन की बात कही जा रही है। अनिल कुमार ने कहा कि जब तक परीक्षण पूर्ण नहीं हो जाता, निलंबन का फैसला नहीं होगा। मालूम हो कि बुधवार दोपहर से सोशल मीडिया पर मनीष दुबे के निलंबन की बातें चल रही हैं।

मानव जीवन के लिए संजीवनी है पेड़-पौधे : अरविन्द पटेल

जौनपुर–वृक्ष मानव जीवन के लिए संजीवनी है।सदियों से ऋषि–मुनियों ने मानव जीवन के साथ पशु–पक्षियों के लिए पेड़–पौधों को लगाकर उनकी पूजा–अर्चना शुरू की।उक्त बातें नगर पंचायत कजगाँव में सरदार सेना के जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल के द्वारा सरदार सेना के बैनर तले पर्यावरण को लेकर वृक्षारोपण का आयोजित पौध रोपण कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल ने कही।उन्होंने आगे कहा कि सनातन धर्म में पीपल,नीम आदि पेड़ों की पूजा इस लिए की जाती है कि यह पेड़ मानव जीवन के साथ पशु–पक्षियों

के जीवन को प्रति दिन ऑक्सीजन के रूप में संजीवनी प्रदान करते हैं।

पीपल के पेड़ से सबसे अधिक मात्रा में मानव जीवन को श्रोत ऑक्सीजन प्राप्त होता है इस लिए प्रत्येक मानव की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि स्वयं जीवन रक्षा हेतु अधिक से अधिक पेड़ लगायें उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थल पर पीपल का पेड़ अवश्य लगाएं और स्वस्थ व निरोग रहे। इस दौरान आम,नीम के दर्जनों पौधे लगाये गये।इस अवसर पर अनिल यादव,वृजेन्द्र कुमार पटेल,श्याम सुंदर पटेल,हरिशंकर पटेल, मुन्ना लाल पटेल,सुर्याश पटेल सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश सचिवालय संघ का चुनाव परिणाम घोषित

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

उत्तर प्रदेश सचिवालय संघ का चुनाव 11 वर्षों बाद हुआ संपन्न जिसमें अध्यक्ष पद के प्रत्याशी अर्जुन देव भारती, उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह व आडिटर अंतरिक्ष कुमार तिवारी को चुनाव अधिकारी ने विजयी घोषित किया।

चुनाव प्रचार के दौरान यह देखने

में आया कि यूपी फेडरेशन आफ मिनिस्ट्रीरियल सर्विस एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष दिवाकर सिंह एवं कार्यकारी अध्यक्ष कनौजिया विनोद बुदि्बराम के साथ अन्य पदाधिकारियों ने विजयी टीम को जीत दर्ज कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

घ्जिसके चलते पूरी टीम को सचिवालय कर्मचारियों ने भारी मतदान करके विजयश्री दिलाई इस तरह 11 वर्षों बाद एक नई पारी की हुई शुरुआत ।

आबकारी निरीक्षक ने दबिश में पकडी अवैध शराब व लहन

'सुलतानपुर। शासनादेश के क्रम में उत्तर प्रदेश में आबकारी विभाग व स्थानीय पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर अवैध शराब के कारोबार और इसमें संलिप्त माफियाओं पर आबकारी अधिनियम के तहत ठोस कार्यवाही की जा रही है,जनपद में अभियान को गति देने के लिए आबकारी निरीक्षक सुभाषचंद्र सिंह के नेतृत्व में लगातार सफताएं मिल रही है,अबतक आबकारी निरीक्षक सुभाष सिंह ने छापामारी करते हुए रिकार्डतोड़ लहन,अवैध शराब एवं शराब बनाने के उपकरण बरामद कर उन्हें नष्ट करने तथा संलिप्त व्यक्तियों पर अधिनियम एक्ट के अंतर्गत अभियोग दर्ज करते हुए जेल भेजने की कार्यवाही कर चुके है,साथ ही उनका कहना है की अभियान जारी रहेगा,श्री सिंह ने बताया की आबकारी आयुक्त उ.प्र.तथा जिलाधिकारी जसजीत कौर व पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा के आदेशानुसार व जिला आबकारी अधिकारी हितेंद्र शेखर के कुशल निर्देशन में अभियान चलाया जा रहा है,जिसमें विभाग को लगातार कामयाबी मिल रही है,उन्होंने बताया की कुड़वार थाना क्षेत्र के महुआरिया में दबिश देकर एक व्यक्ति को पकड़ने में सफलता मिली,कडाई से पूंछताछ पर उसने अवैध शराब तैयार करने का स्थान दिखाया,जहां पर लगभग तीन कुंटल से अधिक लहन,15 लीटर तैयार अवैध शराब व कुछ अन्य उपकरण बरामद हुए,जिसे नष्ट करते हुए उसके विरूद्व आबकारी अधिनियम के अंतर्गत अभियोग दर्ज करते हुए कार्यवाही की गई,दविश के उपरांत कुड़वार क्षेत्र की लाईसेंसी शराब की दुकानों पर पहुंचकर निरीक्षण किया,बारकोड़ एवं क्यूआर कोड स्कैन किया,निरीक्षण में किसी भी लाईसेंसी दुकानों पर अवैध शराब या कोई शिकायत नही मिली,मौके पर मौजूद लोगों को अवैध शराब के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जागरूक किया गया,अभियान में आबकारी विभाग के शशि प्रकाश गुप्ता,अरविंद कुमार वर्मा,मोहम्मद इरफान आदि साथ रहे।

आकाशीय बिजली से छात्रा की मौत

हरदोई (संवाददाता)। हरदोई में लगातार बारिश और वज्रपात हो रहा है। बुधवार इसी वज्रपात के दौरान बिजली की चपेट में आने से एक छात्रा की मौत हो गई। हादसे के बाद उसके घर–परिवार में मातम पसर गया। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था द्वारा केंद्रीय प्रशासनिक सेवाओं, राज्य प्रशासनिक सेवाओं एवं उच्च सरकारी पदों से चयनित युवाओं के उत्साहवर्धन के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ । सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था पिछले कई वर्षों से केंद्रीय प्रशासनिक सेवाओं , न्यायिक सेवाओं , एवं अन्य उच्च सरकारी पदों से चयनित युवाओं के उत्साह वर्धन के लिए सम्मान समारोह का आयोजन करती है स

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि कैप्टन चत्तर सिंह हुड्डा, विशिष्ट अतिथि करनल सिंह आईपीएस थे स विशिष्ट जनों में प्रोफेसर प्रेमव्रत, संजीव कुमार , सुरेन्द्र सोलंकी , सचिन अहलावत, सुरेन्द्र पहल, हवा सिंह, योगेश कुमार सिंह , एस एस राणा , पी के सिंह, हरपाल सिंह, मुकेश सिंह आदि की उपस्थिति ने समारोह की शोभा बढ़ाई स

सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के अध्यक्ष कप्तान सिंह ने सर्वप्रथम समारोह के मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, चयनित अभ्यर्थियों एवं उनके परिवारजनों तथा सदस्यों का स्वागत करते हुए युवा प्रतिभाओं और उनके परिवार के सदस्यों को बधाई दी स उन्होंने कहां यह प्रतिभाएं निश्चित रूप से समाज और राष्ट्र में

सकारात्मक बदलाव लाएंगे स उन्होंने संक्षेप में सूरजमल स्मारक शिक्षा संस्था के बारे में बताते हुए कहा कि सभी के अथक प्रयासों से यह संस्था वट वृक्ष की तरह आगे बढ़ रही है जिसकी शुरुआत डिप्लोमा कोर्सो से हुई थी स संस्था द्वारा संचालित संस्थानों की उपलब्धियों से अवगत कराते हुए बताया कि संस्था के संस्थान भारत के श्रेष्ठ संस्थानो में अपना स्थान बना चुके हैं स उन्होंने कहा कि हमारे वी वी ए कोर्स वर्ष 2019 में देश के 13वे नंबर पर था और यह आज 8वे नंबर पर पहुंच चुका है स इसी प्रकार वी सी ए कोर्स वर्ष 2109 में 16 वे नंबर पर था यह अब तीसरे नंबर पर है स संस्था में संस्थानों के विद्यार्थियों ने अब तक कुल 64 गोल्ड मेडल प्राप्त किए है स संस्था के अध्यक्ष कप्तान सिंह ने कहा कि निकट भविष्य में महाराज सूरजमल के नाम से विश्वविद्यालय की स्थापना करने का लक्ष्य है स

संस्था का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण शिक्षा में सुधार करना भी है जिस पर विभिन्न सरकारों द्वारा ध्यान नहीं दिया गया है स उन्होंने कहा कि संस्था जरूरतमंदों को छात्र ब्रत्ति भी प्रधान करती है स अब तक संस्था द्वारा लगभग 300 छात्रों को तीन करोड़ रुपए की छात्र वृत्ति प्रदान की जा चुकी है स सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे जरूरतमंद छात्रों को भी संस्था छात्र वृत्ति देती है जिसमे अब तक 82 लाख रुपए की छात्र वृत्ति दी गई है स जिनमे से 61 छात्र सिविल सेवा में चयनित हुए है स इस कार्य में करनल सिंह के नेतृत्व में ग्रामीण युवा केन्द्र की 30 सदस्यों की कर्मठ टीम इस कार्य में सहयोग करती है स उन्होंने अभ्यर्थियों से कहा कि अब आपकी जिम्मेदारियां और अधिक बढ़ गई है तथा आपको ग्रामीण क्षेत्र अर्थात् जड़ो को नहीं भूलना चाहिए ।

इस समारोह में उन प्रतिभाशाली युवाओं को सपरिवार सम्मानित किया गया है जिन्होंने केंद्रीय, प्रशासनिक सेवाओं, राज्य प्रशासनिक सेवाओं , न्यायिक सेवाओं तथा अन्य सेवाओं में चयनित होकर अपना तथा समाज का नाम रोशन किया है ।

इस समारोह में 32 चयनित युवा अपने परिवार के साथ इस समारोह में आए ।

प्रताड़ना से तंग आ गई हूं कर लूंगी खुदकुशी, महिला सिपाही ने एलआईयू के एसीपी और इंस्पेक्टर पर लगाया आरोप

लखनऊ (संवाददाता)। कमिश्नरेट के लोकल इंटेलीजेंस यूनिट (एलआईयू) में तैनात मुख्य आरक्षी अभिलाषा सिंह ने एसीपी एलआईयू अवधेश चौधरी व इंस्पेक्टर जावेद अख्तर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने एक वीडियो मंगलवार देर शाम को बनाया। इसमें आत्महत्या करने की बात कही। पुलिस कमिश्नर ने एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह को मामले की जांच सौंपी है। वहीं, एसीपी ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। तालकटोरा निवासी अभिलाषा सिंह ने पुलिस कमिश्नर एसबी शिरडकर को पत्र लिखा है। इसमें आरोप लगाया कि एलआईयू के अधिकारी उसे परेशान कर रहे हैं। इसकी शिकायत लेकर दो बार कमिश्नर कार्यालय में भी गई, पर उसे पेश नहीं किया गया। आरोप है कि एलआईयू के एसीपी और कुछ कर्मचारी उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ना दे रहे हैं। विंग में तैनात निरीक्षक जावेद अख्तर अक्सर उस पर गलत टिप्पणी करते हैं। इसकी शिकायत एसीपी से की तो उन्होंने दरवाजे से ही भगा दिया। अभिलाषा का आरोप है कि वह फील्ड में तैनात थी, लेकिन एसीपी व निरीक्षक ने साजिश रचकर उसे कार्यालय में अटैच कर दिया। सुबह दस से शाम पांच बजे तक बिना किसी काम के बैठाए रखते हैं। अपने बच्चे की तीमारदारी के लिए एसीपी के पास तीन दिन के अवकाश का आवेदन लेकर गई। आरोप है कि आवेदन पत्र को एसीपी ने बिना देखे फेंक दिया और भगा दिया। अभिलाषा ने मंगलवार शाम को एक वीडियो बनाया, जिसे अपने परिजनों व कुछ परिचितों को भेजा। वीडियो में रोते हुए एलआईयू के अधिकारियों की प्रताड़ना की कहानी बयां की। कहा कि तंग आकर खुदकुशी कर लूंगी। मामले की जानकारी पुलिस कमिश्नर एसबी शिरडकर को बुधवार को हुई। एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह को जांच सौंपी गई है। रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में उन्होंने एक वीडियो मंगलवार देर शाम को बनाया। इसमें आत्महत्या करने की बात कही। पुलिस कमिश्नर ने एडीसीपी मध्य मनीषा सिंह को मामले की जांच सौंपी है। वहीं, एसीपी ने बताया कि उन्हें मामले की जानकारी नहीं है। तालकटोरा निवासी अभिलाषा सिंह ने पुलिस कमिश्नर एसबी शिरडकर को पत्र लिखा है। इसमें आरोप लगाया कि एलआईयू के अधिकारी उसे परेशान कर रहे हैं। इसकी शिकायत लेकर दो बार कमिश्नर कार्यालय में भी गई, पर उसे पेश नहीं किया गया। आरोप है कि एलआईयू के एसीपी और कुछ कर्मचारी उसे मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ना दे रहे हैं।

कूड़े का ढेर व जल भराव बनी राम नगरी की पहचान

स्थानीय पार्षद व नगर निगम प्रशासन साधें है चुप्पी

अयोध्या। शहर में जगह–जगह कूड़े का ढेर व जल निकासी न होने के चलते जल भराव अयोध्या नगर निगम की लापरवाही का पोल खोल रही है।जब कि इस सावन माह के चलते राम नगरी में स्थानीय लोगों के अलावा दूर दराज से भी आने वालेघ श्रद्धालुओं को इस समस्या से जूझना पड़ रहा है। परंतु इस गंभीर समस्या पर संबंधित वार्ड के पार्षद व नगर निगम के अधिकारी व कर्मी चुप्पी साधे हुए हैं।मालूम हो कि शहर के अश्वनीपुरम कालोनी, वजीरगंज, हैदरगंज, बछड़ा सुल्तानपुर,चेला छावनी, देवकाली, मुगलपुरा, पुरानी सब्जी मंडी, बड़ा रमना, फतेहगंज, सुभाष नगर, चाणक्य पुरी कालोनी सहित दर्जनों ऐसे मुहल्ले व कालोनियां है जहां पर सफाई कर्मियों ने नाली से मलबा आसपास के मकानों व सड़कों पर निकाल कर रख दिया

है।परंतु स्थानीय लोगों ने बताया कि सफाई कर्मियों द्वारा मलबा निकाले एक सप्ताह से अधिक हो गया है परंतु उसके न उठने से बारिश के दिनों पानी बरसने से वही मलबा आसपास के घरों व नालियों में बहकर चला जाता है। जिसके चलते स्थानीय लोगों व उधर से गुजरने वाले राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। शहर वासियों का यह भी मानना है कि इस समय समय से सफाई कर्मी डोर टू डोर नहीं पहुंच रहे है। जिससे लोग अपने अपने घरों का कूड़ा सड़कों पर फेकने को मजबूर है और बारिश के पानी के साथ वहां पर इकट्ठा कूड़ा भी आसपास के मकानों व सड़कों पर बहता है।यह गंभीर दशा सिर्फ यही तक ही नहीं सीमित है बल्कि इस सावन माह में अधिकतर मंदिरों पर भी बनी हुई है।शहर के अधिकतर मंदिरों के आसपास भी गंदगी का साम्राज्य दिखाई दे रहा है।यहां पर भी जगह जगह कूड़े ढेर व

जलभराव देखा जा सकता है। जिसके चलते इस मंदिर पर आने वाले श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वही जल निकासी की समस्या भी एक गंभीर समस्या बनी हुई है।जिसके चलते हल्की सी बारिश में भी वहां पर जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।इससे संबंधित विभाग के अधिकारियों व कर्मियों के ध्यान न देने से यह एक गंभीर समस्या बनी हुई है।

बारिश का असर : 15 जुलाई तक कई ट्रेने हुई रद्द, लंबी दूरी की 118 बसें हुई कैंसिल, विमान सेवाओं पर आया लोड

लखनऊ (संवाददाता)। हिमाचल, दिल्ली, पंजाब व हरियाणा में हो रही भारी बारिश के चलते ट्रेनों का संचालन पटरी से उतर गया है। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल से लेकर अंबाला, फिरोजपुर व मुरादाबाद मंडलों की रेलसेवाएं 15 जुलाई तक बाधित रहेंगी। लखनऊ रेलखंड की 15 ट्रेनें प्रभावित रहेंगी, जिसमें सात ट्रेनें अगले आदेश तक रद्द कर दी गई हैं। दूसरी ओर आठ ट्रेनों को बीच रास्ते में निरस्त यानी शॉर्ट टर्मिनेट करने का निर्णय लिया गया है। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल की सीनियर डीसीएम रेखा शर्मा ने बताया कि बारिश के चलते ट्रेनों का संचालन बाधित हो रहा है।

लखनऊ मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर टिकट के रिफंड के लिए अतिरिक्त काउंटरों का इंतजाम किया गया है। रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 या एनटीईएस पर जानकारी लेने के बाद पैसेंजर यात्रा पर निकलें। उत्तर रेलवे ने दो दिनों में 52 लाख 93 हजार 938 रुपये यात्रियों को रिफंड किए हैं। बता दें कि 13006 अमृतसर–हावड़ा मेल, 12238 जम्मूतवी–लखनऊ एक्सप्रेस, 22318 जम्मूतवी–सियालदह एक्सप्रेस, 13152 जम्मूतवी–कोलकाता एक्सप्रेस, 14218 चंडीगढ़–प्रयागराज संगम एक्सप्रेस, 12232 चंडीगढ़–लखनऊ एक्सप्रेस व 12356 जम्मूतवी–पटना एक्सप्रेस 14 जुलाई तक कैंसिल रहेंगी। वहीं गुरुवार को 12325 कोलकाता–नांगलडैम एक्सप्रेस व ट्रेन नंबर 15097 भागलपुर–जम्मूतवी अमरनाथ एक्सप्रेस निरस्त रहेंगी, जबकि 15 जुलाई को 12326 नांगलडैम–कोलकाता एक्सप्रेस कैंसिल रहेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि 18104 अमृतसर–टाटानगर एक्सप्रेस चारबाग रेलवे स्टेशन से ही चलाई जाएगी। वहीं 14674 अमृतसर–जयनगर एक्सप्रेस मुरादाबाद से चलेगी, 12328 देहरादून–हावड़ा मुरादाबाद से और 15652 जम्मूतवी–गुवाहाटी एक्सप्रेस सहारनपुर से चलाई जाएगी। दिल्ली, उत्तराखंड, हिमाचल, पंजाब व हरियाणा में हो रही भारी बारिश के चलते रोडवेज ने अगले आदेश तक दिल्ली, चंडीगढ़ और देहरादून रूट की बस सेवाएं रद्द कर दी हैं। आलमबाग बस अड्डे से दिल्ली की 96, उत्तराखंड की 12, हरियाणा की 6 और चंडीगढ़ की 4 बसें कैंसिल की गई हैं। यानी 118 बसों का संचालन रद्द हुआ है।

प्रदेश में 779 फर्जी फर्मों से किया गया 615 करोड़ का फ्राड, 12 हजार संदिग्ध फर्मों की हुई जांच

लखनऊ (संवाददाता)। फर्जी फर्मों के खिलाफ देशभर में छेड़ा गया जांच अभियान उत्तर प्रदेश में लगभग पूरा हो गया। पहली बार स्टेट जीएसटी और सेंट्रल जीएसटी द्वारा संयुक्त रूप से छेड़े गए अभियान के तहत प्रदेश में करीब 12 हजार संदिग्ध फर्मों की जांच की गई। इनमें लगभग 779 फर्में फर्जी पाई गईं, जिनके जरिए 615 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी व फ्राड किया गया। ये आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। बोगस फर्मों के जरिए जालसाज फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट लेकर सरकार को अरबों का चूना लगा रहे हैं। लाख प्रयासों के बावजूद टैक्स चोरी पर पूरी तरह रोक नहीं लग पा रही है। इसे देखते हुए 16 मई से 15 जुलाई तक स्पेशल आल इंडिया ड्राइव शुरू की गई थी। इसके तरह स्टेट जीएसटी और सेंट्रल जीएसटी को करीब 12 हजार संदिग्ध फर्मों का डाटा जांच के लिए दिया गया था जिनकी जांच पूरी हो गई। जांच के दौरान लगभग 779 फर्जी फर्मों का भंडाफोड़ हुआ। इन फर्मों ने 615 करोड़ रुपये का फर्जीवाड़ा कर सरकार को चूना लगाया।

नगर विकास मंत्री ने स्वयं नाली की सफाई एवं श्रमदान कर की नगर सफाई महाभियान की शुरूआत

ए0के0 शर्मा के आह्वान पर प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में महापौर, चेयरमैन, अध्यक्ष एवं पार्षदों के नेतृत्व में शुरू किया गया नगर सफाई अभियान
सभी निकायों में 14 से 21 जुलाई तक चलेगा नगर सफाई महाअभियान
मंत्री ने स्वच्छता सफाई के लिए आमजन को प्रेरित कर नगरों को स्वच्छ बनाने का दिया संदेश
मंत्री ने पार्कों, उद्यानों को साफ सुथरा रखने व इनके रखरखाव के लिए लोगो को आगे आने को कहा
मंत्री ने पार्क में पौधरोपण कर नागरिकों को वृक्षारोपण करने एवं पौधों के संरक्षण हेतु प्रोत्साहित किया
मंत्री ने पार्क में स्थापित शहीद भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस व चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा को माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किया
ए0के0 शर्मा ने मानसरोवर के गुरूद्वारा साहिब में मत्था टेककर लिया आशीर्वाद
बरसात में नाले व नालियों की सफाई, कूड़ा स्थलों एवं गंदे स्थानों की सफाई करने के दिये निर्देश
नगरों को स्वच्छ एवं साफ सुथरा बनाकर नागरिकों के जीवन को बनाये बेहतर
नागरिकों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराने तथा शहरों को गंदगी से मुक्त करने का योगी सरकार कर रही सत्त प्रयास
सभी नगरवासी अपने आस पास के क्षेत्रों की नाले, नालियों, पार्कों की साफ सफाई कर इस अभियान में दे अपना सहयोग
ए0के0 शर्मा ने जनप्रतिनिधियों, नगरवासियों, नगरीय अधिकारियों व कर्मचारियों को सफाई अभियान में बढ़ चढ़कर भाग लेने की की अपील

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए0के0 शर्मा ने आज प्रातः 08 बजे आशियाना के हिन्दनगर वार्ड के सेक्टर–डी स्थित मानसरोवर गुरूद्वारा साहिब के सामने की नाली को स्वयं फावड़े से सफाई एवं श्रमदान कर सभी 762 नगरीय निकायों में 14 से 21 जुलाई तक चलने वाले नगर सफाई महाभियान की शुरूआत की। इस दौरान लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल, नगर आयुक्त इन्द्रजीत सिंह, क्षेत्रीय पार्षद सौरभ सिंह मोनू भी थे। ए0के0 शर्मा के आह्वान पर आज प्रदेश के सभी 762 नगरीय निकायों में नगर निगमो के महापौर, नगर पालिका परिषदों के चेयरमैन, नगर पंचायतों के अध्यक्ष एवं सभी वार्डों के पार्षदों के नेतृत्व में अपने–अपने क्षेत्रों में नगर सफाई अभियान की शुरू की गयी।

नगर विकास मंत्री ए0के0 शर्मा ने हिन्द नगर वार्ड के सेक्टर–डी में चारों तरफ घूमकर साफ–सफाई का निरीक्षण किया और स्थानीय नगरवासियों की समस्याओं को जाना। उन्होंने इस दौरान नाली की सफाई कर रहे सफाईकर्मी से फावड़ा लेकर नाली की सफाई की और नाली से सिल्ट व पत्थर के टुकड़े निकालकर सफाईकर्मियों को नाली की तलछठ सफाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्थानीय निवासियों को अपने घरों के साथ अपने आस पास के क्षेत्रों, सड़कों, पार्कों, नाले व नालियों को साफ सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जितना अच्छा साफ–सुथरा एवं स्वच्छ व सुन्दर वातावरण होगा, उतना ही ज्यादा जीवन में खुशहाली होगी और बीमारियों से छुटकारा मिलेगा। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से खाली जगहों पर पौध लगाने को भी कहा। सेक्टर–डी निवासी श्री ए0के0 सिन्हा के आवास के सामने हरे और नीले रंग के रखे डस्टबिन को उठाकर सूखे और गीले कचड़े को अलग–अलग रखकर कूड़ा गाड़ी को देने को कहा। लोग कूड़े का इधर उधर न फेके बल्कि डस्टबिन में डाले या कूड़ा गाड़ी को दें।

नगर विकास मंत्री ने सेक्टर–डी स्थित नेबरहुड पार्क में स्थापित शहीद भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस और चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा को माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर महापुरूषों का सम्मान किया। उन्होंने पार्क के माली ओमप्रकाश शर्मा को माला पहनाकर उनके कार्यों का सम्मान किया। पार्क में उन्होंने महापौर के साथ बेल, आम, जामुन, आंवला, सहजन के 05 पौधा रोपित कर वृक्षारोपण के लिए लोगों को प्रेरित किया। पार्क में घूम रहे लोगों को उन्होंने पार्क को सुंदर व स्वच्छ बनाये रखने तथा पार्क के रखरखाव हेतु आगे आने को भी कहा। उन्होंने कहा कि पार्क एवं उद्यान हमारे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को और बेहतर बनाये रखने का केन्द्र है। इनका संरक्षण बहुत जरूरी है।

नगर विकास मंत्री इस दौरान उस क्षेत्र में सफाई का कार्य कर रहे सफाई कर्मियों से भी मुलाकात की और उनकी समस्यायें भी जानी। उन्हें नियमित सफाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने नगरीय अधिकारियों को बरसात में नाले व नालियों की तलछठ सफाई, कूड़ा स्थलों एवं गंदे स्थानों को साफ करने तथा नियमित कूड़ा उठान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जितना ही अच्छे से नाले नालियों की सफाई होगी, वैसे ही जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। साथ ही लोगों को जलजनित बीमारियों एवं गंदगी से भी मुक्ति मिलेगी। मच्छरजनित बीमारियों डेगू, मलेरिया एवं संचारी रोगों भी दूर रहेगे। उन्होंने कहा कि सभी नगरवासी अपने आसपास की क्षेत्रों की बेहतर साफ सफाई कर इस अभियान में अपना सार्थक योगदान दे सकते हैं। बिना आमजन के सहयोग के नगरों के साफ सफाई के कार्य को पूर्ण नहीं किया जा सकता है। उन्होंने निकायों के सभी जनप्रतिनिधियों, क्षेत्रीय सांसद एवं विधायकों, नगरीय अधिकारियों व कर्मचारियों से भी इस नगर सफाई महाभियान में बढ़ चढ़कर भाग लेने एवं स्वयं श्रमदान करने की भी अपील की। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, नगर निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

आईपीपी दीक्षा जैन ने नई अध्यक्ष पायल सिंह को पद भार सौपा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इनरव्हील क्लब ऑफ प्रेरणा ने होटल ग्रैंड जेबीआर, गोमती नगर, में इंस्टालेशन समारोह का आयोजन किया। जिसमे क्लब की नई अध्यक्ष पायल सिंह को बनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. वर्षा विनय कुमार एवं विशिष्ट अतिथि शिखा भार्गव थीं।

कार्यक्रम की शुरुआत पी.डीसी सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई।उसके बाद कई रंगारंग कार्यक्रम के साथ नई अध्यक्ष पायल सिंह ने आने वाले दिनों में किए जाने वाले विभिन्न कार्यों की जानकारी दी ।

जिसमें 5 दिन वृक्षारोपण,ग्राम जीर्णोद्धार ,मुफ्त कंप्यूटर शिक्षा,स्कूल गोद लेना मुख्य कार्य रहे।

अंत में आईपीपी दीक्षा जैन ने नई अध्यक्ष पायल सिंह को पद भार सौपा।

नई अध्यक्ष पायल सिंह की टीम में उपाध्यक्ष–प्रिया जालान,कोषाध्यक्ष–अनुभा गुलाटी,आईएसओ–श्‍वेता– भार्गव व सम्पादक–शालिनी सिंह चुनी गई।

व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण करें विशेषकर औषधीय पौधे व पृथ्वी को प्रदूषण मुक्तबनायें : मनीष सिंह

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी के संस्थापक मनीष सिंह ने पौधारोपण अभियान के साथ अपनी सालगिरह के मौके पर वृक्षारोपण को पर्यावरण बचाव की सबसे बड़ी जरुरत बताते हुए अपने सभी छात्रों, अध्यापकों,कर्मचारियों और अतिथिगणों के बीच हजारों की संख्या में पौधों का वितरण कर पर्यावरण के संरक्षण का संकल्प लिया।

विभिन्न रेजिडेंशियल सोसाइटी में व संस्थानों में भी वृक्षारोपण कराया स वृन्दावन कॉलोनी की एल्डको सौभाग्यम सोसाइटी में एस के डी ग्रुप के कई वरिष्ठ अधिकारी गणों ने निदेशक श्री मनीष सिंह जी के जन्मदिन के अवसर पर वृक्षारोपण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए पूरी सोसाइटी में औषधिय पौधे व कई नीम शीषम आदि वृक्षारोपण किये स

इस अवसर पर श्री सिंह ने कहा कि – हमें व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण कर पृथ्वी को प्रदूषणमुक्त करने में अपना भरपूर योगदान देना अति आवश्यक है। इस अवसर पर अपने सारपूर्ण उद्बोधन में उन्होंने कहा कि हमें शिक्षा में नये आयाम प्राप्त करने हैं। उसके लिए हम निरन्तर प्रयत्न कर रहे हैं। आजकल देश में धार्मिक उन्माद बढ़ रहा है। ऐसी स्थिति में धार्मिक सौहार्द व सहिष्णुता की विशेष आवश्यकता है। समाज में सब ओर समरसता का वातावरण रहे, आपस में प्रेम बना रहे, इसका प्रयास हर व्यक्ति को करना जरूरी है । उन्होंने संतुलित पर्यावरण के लिए वृक्षारोपण को सबसे अहम बताया। गौरतलब है कि मनीष सिंह अपने प्रत्येक जन्मदिन के अवसर पर प्राकृतिक संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन करते रहे हैं। इस वर्ष भी एस.के.डी. एकेडमी की वृन्दावन शाखा में एस.के.डी. ग्रुप के डायरेक्टर मनीष सिंह ने अपने जन्मदिवस के अवसर पर वृक्षारोपण को एक अभियान की तरह आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और अतिथिगणों के मध्य बड़ी संख्या में पौधे वितरित किये। जन्मदिन के शुभ अवसर पर उन्होंने अपने शिक्षकों, कर्मचारियों, बच्चों एवं आये हुए अतिथियों का आभार ज्ञापित किया।

सीओ लाइन ने यूपी 112 सहित अन्य जगहों का किया निरीक्षण

अयोध्या। शुक्रवार को सीओ लाइन आशीष निगम ने पुलिस लाइन मैदान पर परेड के बाद परिवहन शाखा, पुलिस लाइन भवन व लाइन में स्थित मेस में जाकर खाने की गुणवत्ता को परखा।उन्होंने मेस की साफ सफाई पर विशेष ध्यान रखने हेतु मेस प्रभारी को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पीआरवी यूपी 112 वाहन का निरीक्षण किया।इस मौके पर उन्होंने पीआरवी यूपी 112 से जुड़े सभी पुलिस कर्मियों को मानक के अनुसार सभी उपकरणों को रखने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि इस समय पीआरवी यूपी 112 से जुड़े पुलिस कर्मियों से कहा कि संकट के समय में सबसे पहले पीड़ित आपसे ही मदद मांगता है इसलिए आप सभी भी पीड़ित की हरसंभव मदद करने का प्रयास करें। इसके बाद उन्होंने कैण्टीन में मौजूद सामानों की रख रखाव को देखा।वही सीओ लाइन आशीष निगम ने बैरिक,स्टोर, क्वार्टर गार्द का भी निरीक्षण किया।

साइबर क्राइम सेल परिक्षेत्र अयोध्या ने डेढ़ लाख रुपए पीड़िता के खाते में कराया वापस

अयोध्या।साइबर क्राइम सेल परिक्षेत्र अयोध्या टीम ने साइबर ठगी की शिकार पीड़िता सोनम जायसवाल पुत्री स्वर्गीय रविन्द्र जायसवाल निवासी राम नगर कोतवाली नगर के खाते में डेढ़ लाख वापस कराये गये। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम सेल परिक्षेत्र अयोध्या आलोक कुमार ने बताया पीड़िता सोनम जायसवाल ने बताया था कि उसके दोस्त की इस्टाग्राम आई०डी० हैक करके पैसा इन्वेस्ट करने के नाम पर धोखाधड़ी से पांच लाख तीस हजार रूपये भिन्न भिन्न खातों में जमा करा – लिया गया था।जिसके सम्बन्ध में पीड़िता सोनम ने धारा 419ध्420 भादवि व 66डी आई0टी0 एक्ट पंजीकृत कराया गया था।उच्चाधिकारियों के निर्देश पर गंभीरता से लेते हुए साइबर क्राइम थाना अयोध्या परिक्षेत्र अयोध्या की टीम ने डेढ़ लाख रुपए

आरोपी के खातों में फ्रीज कराकर पुनः पीड़िता मुकदमा सोनम जायसवाल के खाते में वापस कराया गया।

शालीमार गेटवे मॉल के शॉप एंड विन प्रमोशन ऑफर में खरीदारी कर पाएं अविश्वसनीय पुरस्कार जीतने का अवसर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ के फेवरिट शॉपिंग डेस्टिनेशन शालीमार गेटवे मॉल शॉपर्स के लिए एक रोमांचक शॉपिंग एक्सपीरियंस देने जा रहा है। मॉल में 15 जुलाई से 15 अगस्त, 2023 तक महीने भर लम्बा ष्शॉप एंड विनष प्रमोशन आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान शॉपर्स के पास शॉपिंग के साथ साथ, अब अविश्वसनीय पुरस्कार और उपहार जीतने के अवसर होगा।

ष्शॉप एंड विनष प्रमोशन में मैक्स, स्मार्ट बाजार, वेस्टसाइड, डब्ल्यू, सैमसंग, जीवा, मामा अर्थ, शुगर, इंडियन टेरेन, लेंसकार्ट, मैकरॉन, बेला वीटा, रिलायंस ट्रेंड्स, रिलायंस ट्रेंड्स फुटवियर, लाइफस्टाइल, पिपिन, डी मोजा, पेलेस, जॉकी, गेट गॉर्जियस, जिवामे, ऑक्टेव, जॉन प्लेयर्स, बी यू नेचुरल, सबवे, जूस बज, उडुपी वाला, मुंबाया, बिग बाउल, चाइनीज वोक, हाउस ऑफ कैंडी, मस्ती जोन, मार्केट 99, हैवमोर, स्टारफूड, सफारी और मूवी मैक्स जैसे कई लोकप्रिय ब्रांड शामिल हैं।। ब्रांड्स की इस विस्तृत श्रृंखला के साथ, शॉपर्स के पास अपने पसंदीदा प्रोडक्ट्स की शॉपिंग, डाइनिंग और एंटरटेनमेंट के लिए कई विकल्प होंगे।

ष्शॉप एंड विनष प्रमोशन के दौरान, जो ग्राहक मॉल में प्रमोशन में भाग लेने वाले ब्रांड स्टोर पर ध्3499 या उससे अधिक की खरीदारी करेंगे, उन्हें लकी ड्रा में शामिल किया जाएगा। लकी ड्रा के भव्य पुरस्कारों में एक माइक्रोवेव ओवन, एक पूरी तरह से ऑटोमैटिक वॉशिंग मशीन, एक 32–इंच एलईडी टीवी और एक स्प्लिट एयर कंडीशनर शामिल है। यह शानदार पुरस्कार जीतने वाले विजेताओं के पास अपने घरेलू उपकरणों को अपग्रेड करने का सुनहरा अवसर होगा।

इस शानदार पुरस्कारों के अलावा शॉपर्स को कई आकर्षक प्रोत्साहन पुरस्कार जीतने का भी अवसर मिलेगा, जिसमें लाइफस्टाइल, मैक्स और वेस्टसाइड के गिफ्ट कार्ड्स शामिल हैं। मेगा ड्रा 15 अगस्त, 2023 को खोला जाएगा, जिसमें विजेताओं के नामों की घोषणा की जाएगी।

शालीमार कॉर्प के डायरेक्टर श्री कुणाल सेठ ने बताया कि वह शॉपर्स के लिए आयोजित इस प्रमोशन को लेकर बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ष्हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि शॉपर्स को शालीमार गेटवे मॉल में शॉपिंग का एक बेहतरीन अनुभव मिले। श्शॉप एंड विनश प्रमोशन के साथ, ग्राहकों को फैशन, भोजन और मनोरंजन के लिए बहुत सारे विकल्प उपलब्ध होंगे। साथ ही उनके पास शानदार पुरस्कार जीतने का अवसर भी होगा।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास कार्यो की समीक्षा बैठक संपन्न

’मत्स्य पालन व दुग्ध उत्पादन से संबंधित योजनाओं का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करने के दिए निर्देश’

उमाकान्त लाला ब्यूरो चीफ

शाहजहाँपुर रूरूरू

जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शासन से संचालित सभी लाभार्थीपरक योजनाओं का पूर्ण लाभ पात्रों को मिले यह सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कार्यो को रोजाना देखे तथा लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करें।

विकास कार्यो की समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी प्रातः 10:00 बजे से 12:00 बजे तक कार्यालय मे जनता की समस्याए नियमित रूप से सुनकर उनका निस्तारण निश्चित रूप से करें। तथा मत्स्य पालन किसानो की आय को शीघ्रता से बढ़ाने का सबसे अच्छा विकल्प है कई प्रदेशों मे किसान मत्स्य पालन कर अपनी आय बढ़ाते हुये तेजी से समृद्ध हुये है। शासन की मंशा के अनुरूप अधिक से अधिक किसानों को मत्स्य पालन सम्बन्धित योजनाओं का लाभ दिये जाने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार किया जाये। निराश्रित गोवंशों के संरक्षण हेतु भूमि चिन्हीकरण फाइल में देरी पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार पुवायां को कड़ी फटकार लगाते हुये जल्द कार्यवाही पूर्ण कर फाइल प्रेषित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिये कि खण्ड विकास अधिकारी प्रतिदिन एक गोशाला अवश्य चेक करे। जिलाधिकारी ने आगामी वृक्षारोपण महाभियान के अन्तर्गत सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर स्थलों का चिन्हीकरण करते हुये 18 जुलाई तक गड्ढा खुदान का कार्य पूर्ण करें। वहीं बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिया कि परिषदीय विद्यालयों में दी जा रही शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु कार्यवाही निश्चित करें। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि विद्यालय के निरीक्षण के दौरान शिक्षण कार्य की गुणवत्ता अवश्य देखें। जिलाधिकारी ने संस्थागत प्रसव , जननी सुरक्षा योजना , छोटे गावों तथा कस्बों में स्वास्थ्य सेवाएं , ई–डिस्ट्रिक्ट सेवाओं , प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना , खाद्यान वितरण , वृद्धावस्था पेंशन , स्वरोजगार योजनाओं आदि की भी जिलाधिकारी ने समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी एसबी सिंह , डीएफओ प्रखर गुप्ता , मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 आर के गौतम , जिला विकास अधिकारी पवन कुमार सिंह , परियोजना निदेशक अवधेशराम सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक सम्पन्न

उमाकान्त लाला ब्यूरो चीफ

शाहजहाँपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को विकास भवन सभागार में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जनपद में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए कि ग्रामीण पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ किए जाने हेतु संचालित जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। इसलिये इसको मिशन मोड में पूरा किया जाये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि कराये जा रहे कार्यो की गुणवत्ता टीम के माध्यम से नियमित जांच कराकर की जाये तथा कमियां मिलने पर तत्काल नोटिस जारी करते हुये निस्तारण कराया जाये। उन्होने इंप्लीमेटेशन सपोर्ट सिस्टम के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं भावना सेवा संस्थान , विंग्स तथा राजस्थान ह्युमेन केयर फाउंडेशन संस्थान के कार्यो की भी समीक्षा की। उन्होने कहा कि गांव में जाकर जागरूकता अभियान चलाये जाने हेतु चयनित इन संस्थाओं के कार्यो की नियमित रूप से समीक्षा की जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ जल के उपयोग से लाभ के विषय में ग्रामीणों को अधिक से अधिक जागरूक करने के साथ इसके प्रयोग हेतु भी प्रेरित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्याम बहादुर सिंह सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अंतरजनपदीय तबादले में आए शिक्षकों को भेजा वापस, कई जगह सरप्लस शिक्षक

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में जूनियर स्कूलों के सहायक अध्यापक और प्राइमरी के प्रधानाचार्य स्तर के 200 से ज्यादा शिक्षक सरप्लस हैं। इस कारण स्थानांतरण की शुरुआत में पोर्टल पर यहां शिक्षकों की संख्या शून्य दिखाई गई थी। इसके बावजूद पदनाम में खेल करके 71 के तबादले लखनऊ में कर दिए गए। शिक्षक संगठन इसका विरोध कर रहे थे। उनका कहना था कि पिछली बार यहां 2007 में प्रोन्नत वेतनमान का लाभ मिला था। अन्य जनपद के शिक्षकों के आने से इसमें और देरी होगी। इस विरोध के बाद शिक्षा विभाग इन्हें तैनाती नहीं दे पा रहा था। अब शिक्षकों को जनपद में लौटाने की शुरुआत हो गई है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रिपोर्टिंग के बाद वापस भेजने का आदेश थमा रहे हैं। वहीं, वापस भेजी जा रहीं शिक्षिकाओं का कहना है स्थानांतरण होने के बाद विशेष बैच वालों के लिए तबादला न होने की बात कही जा रही है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी प्रभुदयाल श्रीवास्तव की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।